तीनों सेनाओं का तालमेल जरूरी

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने दिल्ली में हुए सेमिनार में कहा

नई दिल्ली, 30 सितम्बर. 21वीं सदी की सुरक्षा चुनौतियां तेजी से बदल रही हैं जहां युद्ध सिर्फ जमीन, आसमान और समुद्र तक सीमित नहीं रहा.

अब इसमें अंतरिक्ष और साइबरस्पेस भी शामिल हैं. ऐसे में, भारत की सेनाओं का एकीकृत रूप से काम करना केवल एक विकल्प नहीं, बल्कि अनिवार्यता बन गया है. रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस दिशा में स्पष्ट संदेश देते हुए कहा कि तीनों सेनाएं अब एक स्वर, एक लय और एक ताल में चलें, तभी दुश्मनों को हर मोर्चे पर जवाब दिया जा सकेगा. रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने दिल्ली में आयोजित एक सेमिनार में शामिल हुए.

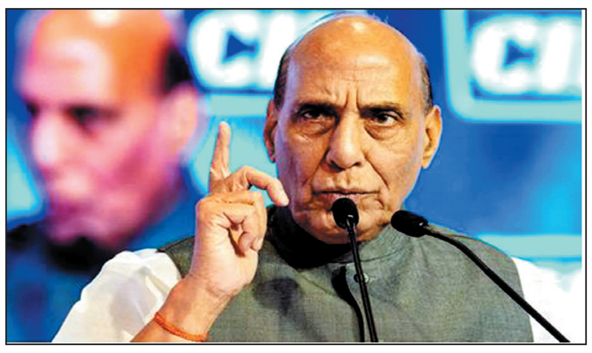

अंतरिक्ष और साइबरस्पेस भी युद्ध के महत्वपूर्ण क्षेत्र

अंतरिक्ष और साइबरस्पेस भी युद्ध के महत्वपूर्ण क्षेत्र बन चुके हैं. उन्होंने कहा, 21वीं सदी में सुरक्षा का स्वरूप पूरी तरह बदल चुका है. खतरे अब अधिक जटिल और बहुआयामी हो गए हैं. इनका सामना केवल एक सेवा द्वारा नहीं किया जा सकता. आज जरूरत है, कि हमारी सेनाएं आपस में गहरे समन्वय के साथ कार्य करें. राजनाथ सिंह ने ऑपरेशन सिंदूर का उदाहरण देते हुए कहा कि जब तीनों सेनाएं एकजुट होकर काम करती हैं, तो उनकी सामूहिक शक्ति कई गुना बढ़ जाती है.

छोटी सी चूक खतरा

राजनाथ ने कहा एकीकरण का मतलब केवल उपकरण या रणनीति का साझा होना नहीं है, बल्कि यह विश्वास, संवाद और साझा मानकों की स्थापना से जुड़ा है. उन्होंने आगाह किया कि अगर निरीक्षण और सुरक्षा मानक अलग-अलग होंगे तो मुश्किल समय में भ्रम और निर्णय में देरी की स्थिति उत्पन्न होगी. एक छोटी सी तकनीकी चूक भी बड़ा खतरा पैदा कर सकती है, उन्होंने कहा. एकीकरण की राह में चुनौतियों को स्वीकार करते हुए उन्होंने कहा कि इसके लिए निरंतर संपर्क, संवाद और पारस्परिक समझ आवश्यक है.

प्रदेश में नव निर्माण कार्यों में तेजी लाएं : धामी

▸ मुख्यमंत्री ने उच्च स्तरीय बैठक में दिए निर्देश

देहरादून, 30 सितम्बर. उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को अपने आवास में उच्च स्तरीय बैठक के दौरान, अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रदेश में निर्माण और नव निर्माण कार्यों में तेजी लाई जाए.

उन्होंने कहा कि अब मानसून अवधि पूर्ण हो चुकी है, सभी विभाग धरातल पर कार्यों में तेजी लाएं. धामी ने लोक निर्माण विभाग की समीक्षा के दौरान निर्देश दिए कि सभी सड़कें निर्धारित समय

सीमा में गड्ढा मुक्त की जाएं. उन्होंने कहा कि सड़क निर्माण और मरम्मत कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी. उन्होंने कहा कि क्षतिग्रस्त सड़कों के पुनर्निर्माण एवं मरम्मत कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण किया जाए. जिन क्षेत्रों से बार-बार सड़क संबंधी शिकायतें प्राप्त हो रही हैं, वहां विशेष निगरानी रखी जाए और कार्यों की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जाए.

> उन्होंने गड्ढा मुक्त सड़क अभियान की कार्य प्रगति की साप्ताहिक समीक्षा करने तथा 31 अक्टूबर तक पैच वर्क पूर्ण का कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। बैठक में प्रमुख सचिव आर.के. सुधांशु, सचिव शैलेश बगोली, डॉ. पंकज पांडेय, विनय शंकर पांडेय, अपर पुलिस महानिदेशक एपी अंशुमान, विशेष सचिव डॉ. पराग मधुकर धकाते एवं अपर सचिव बंशीधर तिवारी उपस्थित थे।

ईडी ने जीएसटी धोखाधड़ी मामले में की संपत्ति कुर्क

नई दिल्ली, 30 सितंबर. प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मंगलवार को बताया कि उसने वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) से जुड़े एक बड़े धोखाधड़ी मामले में 15.41 करोड़ रुपये की अचल संपत्तियां कुर्क की है. ईडी के अधिकारियों ने जानकारी देते हुए बताया कि यह कार्रवाई रांची अंचल कार्यालय द्वारा शुरू की गई. ईडी द्वारा कुर्क की गई 10 अचल संपत्तियां कोलकाता और हावड़ा में स्थित हैं. ये संपत्तियां बड़े पैमाने पर जीएसटी धोखाधड़ी करने वाले गिरोह के मास्टरमाइंड अमित गुप्ता और उसके सहयोगियों की हैं.

वेकोलि में राजभाषा पखवाड़े का समापन

नागपुर. 14 सितम्बर से प्रारंभ राजभाषा हिंदी पखवाड़ा का 29 सितम्बर को समापन हुआ. पुरस्कार वितरण एवं समापन समारोह में मुख्य अतिथि, अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक जय प्रकाश द्विवेदी ने हिंदी में सर्वाधिक कार्य करने के लिए क क्षेत्र में कन्हान और ख क्षेत्र में माजरी को राजभाषा शील्ड प्रदान की. समापन समारोह में पखवाड़े के दौरान आयोजित प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार दिए. साथ ही, 'तिमाही राजभाषा प्रगति प्रतिवेदन' पोर्टल का लोकार्पण अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक जयप्रकाश द्विवेदी द्वारा किया. इस पोर्टल के माध्यम से

विभागों और क्षेत्रीय कार्यालयों से तिमाही राजभाषा प्रतिवेदन समय पर हो सकेगा. समारोह में अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक जय प्रकाश द्विवेदी ने कहा हिन्दी एक सरल भाषा है और हमें इसको पूर्णतः अपनाना चाहिए. उन्होंने हिंदी भाषा के प्रसार के लिए अधिक प्रोत्साहन देने पर बल दिया. संवाद के भाव हिंदी भाषा में सरलता से व्यक्त हो सकते है. उन्होंने दैनिक वार्तालाप के साथ कार्यालय के कामकाज में भी हिंदी भाषा का इस्तेमाल करने का आह्वान किया.

> महाप्रबंधक व राजभाषा प्रमुख पी. नरेन्द्र कुमार ने बताया कि पखवाड़े के दौरान कई प्रतियोगिताएं हुई थी. इनमें भाषण, स्व-रचित काव्य, स्लोगन, अंताक्षरी, प्रश्न मंच, क्विज आदि की प्रतियोगिताएं आयोजित की गयी. उन्होंने कंपनी में हिंदी के बढ़ते प्रचलन का जिक्र करते हुए हिंदी भाषा के प्रचार एवं प्रसार के उद्देश्य से किए गए विविध कार्यों के बारे में अवगत कराया. कंपनी स्तरीय स्व-रचित काव्य स्पर्धा के प्रथम व द्वितीय विजेताओं क्रमशः बालचंद फिकिरराम एवं अमित खेरे, नागपुर क्षेत्र ने रचनाओं का पाठ किया.

लंदन में महात्मा गांधी की प्रतिमा से तोड़फोड़

लंदन 30 सितंबर. लंदन के टैविस्टॉक स्क्वायर स्थित महात्मा गांधी की प्रतिमा में तोड़फोड़ के बाद भारतीय उच्चायोग ने लंदन हाई कमीशन से इस मामले की जांच की मांग की. 2 अक्टूबर को अंतर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस से पहले ब्रिटेन में सोमवार को यह घटना हुई. भारतीय उच्चायोग ने इसे शर्मनाक कृत्य बताया. इसकी जानकारी स्थानीय अधिकारियों को दी गई, जिसके बाद मामले की जांच शुरू हो गई. भारतीय उच्चायोग ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, भारत उच्चायोग लंदन के टैविस्टॉक स्क्वायर स्थित प्रतिमा के साथ हुई इस शर्मनाक तोड़फोड़ की कड़ी निंदा करता है. यह सिर्फ तोड़फोड़ नहीं है, बल्कि अंतर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस से तीन दिन पहले अहिंसा के विचार और महात्मा गांधी की विरासत पर एक हिंसक हमला है.

वी. के. मल्होत्रा के निधन पर केजरीवाल ने जताया शोक

नई दिल्ली, 30 सितम्बर. भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और दिल्ली राजनीति के एक मजबूत स्तंभ वी. के. मल्होत्रा के निधन पर दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने गहरा दुःख व्यक्त किया है.

सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर उन्होंने श्रद्धांजलि देते हुए दिवंगत आत्मा की शांति की कामना की और शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं. दिल्ली भाजपा के दिग्गज नेता वी. के. मल्होत्रा के निधन पर देश के राजनीतिक जगत में शोक की लहर दौड़ गई है. दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने इस अवसर पर संवेदनशील शब्दों में उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की है. उन्होंने

अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर लिखा—दिल्ली भाजपा के वरिष्ठ नेता वी. के. मल्होत्रा जी के निधन का समाचार बेहद दुखद है. ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें और अपने चरणों में स्थान दें. मेरी संवेदनाएं शोकाकुल परिवार के साथ हैं. वी. के. मल्होत्रा भारतीय राजनीति में एक वरिष्ठ और सम्मानित नाम रहे हैं. वे भाजपा के संगठनात्मक ढांचे में लंबे समय तक सक्रिय रहे.

यूट्यूब कंपनी ट्रम्प को देगी 2.45 करोड़ रुपए

वाशिंगटन. अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की ओर से दायर मुकदमे में समझौता करने के लिये वीडिया प्लेटफॉर्म यूट्यूब ने 2.45 करोड़ रुपये चुकाने पर सहमति बनायी है. ट्रम्प ने यह जानकारी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर दी है. ट्रंप ने लिखा यूट्यूब ने आत्म समर्पण कर दिया और मेरे अकाउंट पर अवैध प्रतिबंध लगाने 2.45 करोड़ रुपये देगा. इस जीत से साबित होता है बड़ी टेक सेंसरशिप के बुरे परिणाम होते हैं. रिपोर्ट के मुताबिक यूट्यूब की पैरेंट कंपनी अल्फाबेट ने यह समझौता किया है. इससे पहले सोश मीडिया एक्स और मेटा भी ट्रंप के अकाउंट निलंबित करने पर उन्हें भुगतान करने को राजी हो चुके हैं. नवंबर 2020 का राष्ट्रपति चुनाव हारने के बाद ट्रम्प के समर्थकों ने छह जनवरी 2021 को कैपिटल हिल में हिंसा और आगजनी की थी.

बदलाव | **पूर्वी भारत की सबसे तेज सड़क क्रांति**

बिहार में एक्सप्रेस-वे बदल रहे तस्वीर

पटना, 30 सितंबर. बिहार आज अपनी विकास यात्रा के एक नए मोड़ पर खड़ा है. कभी टूटी-फूटी सड़कों और कच्चे रास्तों के लिए पहचाना जाने वाला यह राज्य अब तेज रफ्तार एक्सप्रेसवे और चौड़ी हाइवे की नई पहचान बना रहा है.

साथ ही, केंद्र सरकार की टैक्स राहत योजनाओं से आम लोगों की जेब में ज्यादा पैसा आ रहा है. यह दोहरी ताकत-नई सड़कें और बढ़ती खपत-बिहार को तेजी से बदलते पूर्वी भारत का अगुवा बना रही है. केंद्र सरकार ने 2025-26 के बजट में आयकर सीमा बढ़ाकर 12 लाख रुपये कर

दी है. वेतनभोगी वर्ग को 12.75 लाख रुपये तक की राहत मिली है. इसका सीधा फायदा बिहार जैसे राज्यों को होगा, जहां ज़्यादातर लोग मध्यमवर्ग और निम्न-मध्यमवर्ग से आते हैं. जब लोगों की जेब में पैसा बचेगा, तो वे ज़्यादा खर्च करेंगे. इससे बाज़ार में मांग बढ़ेगी, छोटे दुकानदारों से लेकर सेवाएं देने वालों तक सभी को लाभ होगा. यह राहत केवल कागजी बदलाव नहीं है, बल्कि यह बिहार की ज़मीन पर चल रही सड़क क्रांति के साथ मिलकर राज्य की अर्थव्यवस्था को नई रफ़्तार दे रही है. सड़कें किसी भी राज्य की प्रगति की सबसे बड़ी पहचान होती हैं. आज बिहार में 1.18 लाख करोड़ रुपये की लागत से पांच बड़े एक्सप्रेसवे बनाए जा रहे हैं. इनसे सफर का समय आधा हो जाएगा और व्यापार, शिक्षा व रोजगार के नए रास्ते खुलेंगे. रक्सौल हल्दिया (407 किमी)-बिहार को सीधे पूर्वी बंदरगाहों से जोड़ने वाला रास्ता. गोरखपुर सिलीगुड़ी (417 किमी) शामिल है.

> वाराणसी कोलकाता (117 किमी बिहार हिस्सा) पूर्वी आर्थिक कॉरिडोर में बिहार की अहम भूमिका. इन रास्तों से किसानों को अपनी फसल बड़े शहरों तक पहुँचाने में आसानी होगी. छोटे व्यापारी और ट्रांसपोर्टर अपने माल को तेज़ी से और कम खर्च में बाज़ार तक ले जा सकेंगे. अक्सर बिहार की तुलना उत्तर प्रदेश से की जाती है, जहाँ पुरवांचल और बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे ने ध्यान खींचा है. पर बिहार का मॉडल अलग है.